अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

रोहिणी, लाडनूं 341 306. (राज.)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

7 मार्च 2026

प्रेरणा सम्मान

सन्तान 'मां' के आंगन का वह राजहंस है, जिसे सिंचते-सिंचते 'मां' की आंखों में पलता विश्वास कब 'संकल्प से सिद्धि' में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। इसीलिए 'मां' सिर्फ 'मां' ही होती है।

गृहिणी का सर्वोच्च योगदान उसके द्वारा दिए गए संस्कार होते हैं। संयम और दीक्षा जैसे उच्च आदर्शों के पीछे उसकी मौन साधना, तपस्या और मूल्य-निर्माण की शक्ति निहित होती है। ऐसी मातृशक्ति केवल परिवार ही नहीं, अपितु समाज और धर्मसंघ की भी आधारशिला होती है।

मां अपने आचरण, त्याग और जीवन-मूल्यों से सन्तान के अंतर्मन में धर्म, संवेदना और चरित्र का ऐसा बीज रोपित करती है, जो समय आने पर महान संकल्पों के रूप में फलित होकर समाज को नई दिशा प्रदान करता है। उसका यह निःस्वार्थ योगदान युगों तक प्रेरणा देता रहता है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, मातृशक्ति की इन्हीं अनंत क्षमताओं के सम्मान में, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के पावन अवसर पर, उस गौरवमयी माता/दादी/नानी का अभिनंदन करते हुए स्वयं को धन्य अनुभव करता है, जिनकी पावन प्रेरणा और संस्कारों से प्रेरित होकर उनकी सन्तान ने तेरापंथ धर्मसंघ में दीक्षा ग्रहण कर संयम-पथ को अपनाया।

आपकी मौन साधना, त्याग और मूल्यनिष्ठ पालन-पोषण ने धर्मसंघ को एक समर्पित साधक प्रदान किया है। आपका यह अमूल्य योगदान समस्त समाज के लिए प्रेरणा-स्रोत है।

वर्ष 2026 में .... (क्षेत्र) की श्रीमती .... को उनके द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्ट संस्कारों एवं तेरापंथ धर्मसंघ में दीक्षित सन्तान के माध्यम से धर्म-साधना के अप्रतिम योगदान हेतु 'प्रेरणा सम्मान' से विभूषित करते हुए हम गौरव की अनुभूति करते हैं।

आपकी मातृ-शक्ति को कोटि-कोटि नमन।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

सुमन नाहटा
राष्ट्रीय अध्यक्ष

रचना हिरण
महामंत्री

तेरापंथ महिला मंडल, ...

....
अध्यक्ष

....
मंत्री

प्रेरणा सम्मान